बाजारवाद की अपसंस्कृति से बचें, आध्यात्मिकता से होगी विश्व में शांति सलमान खुर्शीद

अमृत महोत्सव का हुआ भव्य उदघाटन

आबू रोड, 5 अक्टूबर, निसं। केन्द्रिय कानून एवं न्यायमंत्री सलमान खुर्शीद ने बाजारवाद की अपसंस्कृति के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज के समय में सकारात्मक वैश्विक बदलाव जरूरी हो गया है। और इसकी पहल जिस तरह ब्रह्माकुमारीज संस्था के सदस्यों ने की है उससे आशा की किरणें पूरी दुनिया में उभरती हुई दिखायी दे रही है। वे शांतिवन में अमृत महोत्सव के उदघाटन सत्र को सम्बोधन कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि ना तो साम्राज्यवाद और ना ही साम्यवाद ने आम आदमी को सम्मान दिया। भारतीय संस्कृति व सभ्यता के परिवेश में ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाओं ने सामाजिक परिदृश्य को बदलने का भागीरथी प्रयास किया है। यह देश का सौभाग्य है कि तपोभूमि माउण्ट आबू में ऐसा आध्यात्मिक चेतना का केन्द्र स्थापित हुआ जिसने धर्म, जाति के भेदभाव मिटाकर विश्व वन्धुत्व को सुदृढ़ बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाये। इसका प्रत्यक्ष दर्शन आज आयोजित महोत्सव में साफ नजर आ रहा है। विभिन्न धर्मो में आस्था रखने वाले हजारो लोग आज यहाँ एक परमात्मा और एक विश्व परिवार के सिद्धांत को सार्थक करते हुए मन के दीप और आंखों के दीप जलाने का संकल्प ले रहे है।

नेपाल के उपराष्ट्पति परमानन्द झॉ ने इस अवसर पर संस्था के स्मारिका के विमोचन के बाद अपने सम्बोधन में कहा कि अविश्वास और भ्रांतियों का माहौल समाप्त होना चाहिए। विज्ञान और तकनीकी का सदुपयोग ऐसे समाज की संरचना के लिए करें जिसमें नकारात्मकता और अन्याय के लिए कोई स्थान ना हो। इस कार्य में ब्रह्माकुमारीज संस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने भारत और नेपाल के सम्बन्धों में और अधिक सौहार्द्र लाने के लिए द्विपक्षीय प्रयास करने पर बल दिया।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने अपने आशिवर्चन में विश्वास व्यक्त किया कि देशविदेश से आये महानुभावों विश्व शांति की स्थापना में सहयोगी बनेंगे। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में भारत देश पूरे विश्व का प्रतिनिधित्व करेगा। आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से आये नेविल हांजकिन्सन ने भारत देश की आध्यात्मिक संस्कृति की प्रशंसा की और कहा कि यहां के मूल्य और संस्कृति से पूरा समाज सकारात्मक बदलाव की ओर बढ़ सकने का सामार्थ्य रखता है।

इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके रमेश, बीके बृजमोहन, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, लाईव इंडिया न्यूज चैनल की सीईओ सुप्रिया कांते ने भी अपनेअपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन बीके आशा ने किया।

सभी देशों का हुआ प्रतिनिधित्वः पूरे विश्व के 137 देशों से आये प्रतिनिधियों ने ध्वजारोहण समारोह में शिरकत की तथा अपनेअपने देशों का प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर रंगविरंगे गुब्बारे आकाश की ओर उड़ाये गये। विशिष्ट अतिथियों ने संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के समाधि स्थल प्रकाश स्तम्भ पर पुष्पांजलि अर्पित की।

फोटो 5एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4 अमृत महोत्सव का उदघाटन करते अतिथि